11

झारखंड के दो सपूत

अधिगम प्रतिफलः

- अपने पाठ और लिखने के उद्देश्य को ध्यान मे रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियाँ और घटनाओं की कल्पना करते है। और उन पर अपने मन में बनने वाली छवीयाँ और विचारों के बारे में लिखित अभिव्यक्ति देते हैं।
- विविध कलाओं के अंतर्गत नेतृत्व कला और इसमें प्रयोग होनेवाली भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।

पाठ का परिचय– संविधा नही लोकतंत्र में शासन–व्यवस्था की नींव है। भारतीय संविधान–. निर्माण के लिए 1946 ई॰ में गठित संविधान–सभा में झारखंड क्षेत्र के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा तथा बाबू रामनारायण सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। ये दोनों संविधान–सभा के निर्वाचित सदस्य थे। प्रस्तुत पाठ इन्हीं दो महान व्यक्तित्वों के जीवन पर आधारित है।

पाठ के प्रमुख बिंदुः–

प्राकृतिक सुंदरता के भरपुर प्रदेश झारखंड ने अनेक वीरों को जन्म दिया है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी यहाँ के वीरों जैसे–तिलका मांझी, सिद्धो–कान्हू, बिरसा मुंडा, तेलंगा खड़िया, विश्वनाथ शाहदेव, गणपत राय, शेख भिखारी, वीर बुधु भगत, जतरा टाना भगत, वीर सलामत अली, और शेख होरो आदि का उल्लेखनीय योगदान है। भारतीय संविधान निर्माण मे निर्वाचित सदस्य के रूप में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एवं बाबू रामनारायण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जयपाल सिंह मुंडा से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- जन्म–03/01/1903, खूँटी जिले के तपकरा गाँव में
- प्रारंभिक शिक्षा– गाँव का मिशनरी स्कूल

© JCERT not to be republished

- माध्यमिक शिक्षा–सेंट पॉल्स स्कूल, राँची
- उच्च शिक्षा – सेंट जोंस कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड
- सेंट जोंस कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड मे जूनियर कॉमन रूम के प्रेसीडेंट
- 1927–28 ई॰ मे आई•सी•एस• मे चुने गए।
- 1928 ई मे एम्सटडर्म मे आयेजित ओलम्पिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम के लिए कप्तान
- कप्तानी के कारण आई•सी•एस• प्रशिक्षण पूर्ण नहीं कर पाए और इससे संबंधित आदेश आने पर त्यागत्र दे दिया।
- तारा वेन्फ्रेड मजूमदार से विवाह
- 1937 ई॰ में प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज, अचिमोटा(घाना) में कॉमर्स टीचर के रूप में नियुक्त
- 1938 ई॰ में आदिवासी महासभा का गठन
- आदिवासियों के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने के कारण आदिवासी समुदाय ने इन्हें मरांग गोमके माना जिसका अर्थ है महापुरूष इन्हें मरांग गोमके उपनाम से जाना जाता है।
- 1946 ई॰ मे भारतीय संविधान सभा के सदस्य चुने गए।
- 19/12/1946 ई॰ मो संविधान सभा में ओजपूर्ण भाषण।
- इसके फलस्वरूप आदिवासी समुहों को संविधान में अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया गया तथा नौकरियों और विधायिका में 7.5% आरक्षण प्रदान किया गया।
- 20/03/1970 ई॰ को दिल्ली में निधन।
- उनके सम्मान में राँची स्थित स्टेडियम का नाम जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम रखा गया।
- मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और खेलगाँव का नाम जयपाल सिंह मुंडा गेम कॉम्पलेक्स रखा है।

© JCERT not to be republished

बाबू रामनारायण सिंह से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- जन्म 19/12/1885 ई॰ चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड तेतारियां प्रखंड में।
- पिता भोली सिंह एक गरीब किसान थे।
- प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय जोरी मिडिल वर्नाकुलर स्कूल से हुई।
- एंट्रेंस की परीक्षा 1908 ई॰ में हजारीबाग जिला स्कूल से पास की।
- बी॰ए॰ की परीक्षा 1913 ई॰ मे रिपन कॉलेज कोलकाता से पास की।
- 1914 ई॰ मे असिस्टेंट सेटलमेंट ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुए और दो वर्षों के बाद त्यागपत्र दे दिया।
- 1919 ई॰ मे पटना लॉ कॉलेज से वकालत की पढ़ाई पूरी की।
- 1920 ई॰ के सत्याग्रह आन्दोलन से लेकर 1947 ई॰ के स्वतंत्रता संग्राम तक देश की आजादी ही उनका ध्येय रहा।
- 1927 ई॰ सं 1946 ई॰ तक वे लगातार केन्द्रीय विधानसभा के लिए निर्वाचित होते रहे।
- वे अपनी बातों को व्यवस्थित तरीके से रखते थे, जनता उनपर विश्वास करती थी।इसलिए अंग्रेज सरकार उनपर कड़ी नजर रखती थी।
- कारावास में रहने के दौरान की इनके दो पुत्रों का निधन हो गया लेकिन इन्होने देश सेवा नहीं छोड़ी।
- इन्हें छोटानागपुर को शेर भी कहा जाता है।
- 24 जून 1964 ई॰ को इनका देहांत हो गया।

प्रश्न– निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

श्री मुंडा सन 1946 ई॰ में भारतीय संविधान–सभा के सदस्य चुने गए। वहाँ उन्होंने आदिवासी हितों के लिए आवाज उठाई। 19 दिसंबर 1946 ई॰ को संविधान सभा में उन्होंने ओजपूर्ण भाषण दिया। उनके भाषण का एक महत्वपूर्ण अंश इस प्रकार है– "...अब, जब भारत अपने इतिहास में एक नया अध्याय शुरू करने जा रहा है, तो हमें अवसरों की समानता मिलनी चाहिए। मैं चाहता हूँ कि पं॰ जवाहर लाल

© JCERT not to be republished

नेहरू की बातो पर भरोसा करूँ कि उन्होंने जो शब्द कहे उसे सही तरीके से लागू किया जाएगाा। चूँकि आदिवासी समाज में जाति और लिंग के आधार पर कोई भेद नहीं है, अतः उन्हें प्रजातंत्र की सीख नहीं दी जा सकती बल्कि प्रजातंत्र उनसे सीखा जा सकता है।"

प्रश्न– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

1. श्री जयपाल सिंह मुंडा भारतीय संविधान–सभा के सदस्य कब चुने गए ?

2. उन्होंने किसके हितों के पिए आवाज उठाई ?

3. 19 दिसंबर 1946 ई॰ को उन्होंने कहाँ ओजपूर्ण भाषण दिया ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में दें।

4. नया अध्याय से क्या तात्पर्य है ?

5. भाषण में उद्धृत प्रजातंत्र शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर–

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

1. रामनारायण बाबू स्वतंत्रता आंदोलन में कितने सक्रीय रहे ?

2. रामनारायण बाबू की व्यक्तिगत विशेषता क्या थी ?

बहुवैकल्पिक प्रश्न

6. जयपाल सिंह मुंडा का जन्म झारखंड कहाँ हुआ था ?

(क) बुंडू

(ख) तमार

(ग) खूँटी

(घ) बेडो

© JCERT not to be republished

7. जयपाल सिंह मुंडा ने आदिवासी महासभा का गठन कब किया ?

(क) 1937 ई॰

(ख) 1938 ई॰

(ग) 1939 ई॰

(घ) 1940 ई॰

8. जयपाल सिंह मुंडा को किस उपनाम से जाना जाता है ?

(क) छोटानागपुर का शेर

(ख) दिशोम गुरू

(ग) मरांग गोमके

(घ) इनमें से कोई नहीं

9. जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम कहाँ अवस्थित है ?

(क) राँची

(ख) बोकारो

(ग) जमशेदपुर

(घ) धनबाद

10. जयपाल सिंह मुंडा संविधान सभा के सदस्य कब चुने गए ?

(क) 1944 ई॰

(ख) 1945 ई॰

(ग) 1946 ई॰

(घ) 1947 ई॰

© JCERT not to be republished

11. बाबू रामनारायण सिंह का जन्म झारखंड के किस जिले में हुआ ?

(क) साहिबगंज

(ख) पाकुड़

(ग) गोड्डा

(घ) चतरा

12. बाबू रामनारायण सिंह के पिता क्या थे ?

(क) शिक्षक

(ख) व्यवसायी

(ग) किसान

(घ) जमींदार

13. छोटानागपुर का शेर किन्हें कहा जाता है ?

(क) बिरसा मुंडा

(ख) तिलका माँझी

(ग) बाबू रामनारायण सिंह

(घ) जयपाल सिंह मुंडा

14. 1920 ई॰ के सत्याग्रह आन्दोलन से लेकर 1947 ई॰ के स्वतंत्रता संग्राम तक उनका प्रमुख ध्येय क्या था ?

(क) संविधान निर्माण

(ख) आरक्षण

(ग) देश की आजादी

(घ) वकालत

© JCERT not to be republished

15. बाबू रामनारायण सिंह का देहांत कब हुआ ?

(क) 24 जून 1964 ई०

(ख) 25 जून 1964 ई०

(ग) 26 जून 1964 ई०

(घ) 27 जून 1964 ई०

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. भारतीय स्वंतत्रता संग्राम में झारखंड के किन –किन महापुरूषों का नाम आता है ?

उत्तर : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड के अनेक महापुरूषों का उल्लेखनीय योगदान है। इनमें प्रमुख है। तिलका मांझी, सिद्धो–कान्हू, बिरसा मुंडा, तेलंगा खड़िया, विश्वनाथ शाहदेव, गणपत राय, शेख भिखारी, वीर बुधु भगत, जतरा टाना वीर सलामत अली, अमानत अली और शेख होरो आदि।

प्रश्न 2. भारतीय संविधान–सभा में झारखंड क्षेत्र के किन्हें निर्वाचित सदस्य के रूप में चुना गया ?

उत्तर : भारतीय संविधान–सभा में झारखंड क्षेत्र से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा तथा बाबू रामनारायण सिंह को निर्वाचित सदस्य के रूप में चुना गया।

प्रश्न 3. मरांग गोमके किन्हें कहा गया है ? उन्हें ऐसा क्यों पुकारा जाता है ?

उत्तर : मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा को कहा गया है। उन्होंने आदिवासियों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किया इसी कारण आदिवासी समुदाय के लोगों ने उन्हें मरांग गोमके के नाम से पुकारा, जिसका अर्थ होता है–महान पुरूष।

प्रश्न 4. बाबू रामनारायण सिंह की शिक्षा–दीक्षा में क्या बाधा थी ?

उत्तर : बाबू रामनारायण सिंह के पिता एक गरीब किसान थे। इसलिए रूपये–पैसों की कमी ही उनकी शिक्षा–दीक्षा में बाधा थी।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 5. जयपाल सिंह मुंडा ने आई॰सी॰एस॰का प्रशिक्षण किस कारण छोड़ा?

उत्तर : जयपाल सिंह मुंडा ने आई॰सी॰एस॰ का प्रशिक्षण भारतीय हॉकी टीम के कप्तान के रूप में खेलने और भारत को ओलम्पिक स्वर्ण पदक दिलाने के महान कर्तव्य के कारण छोड़ा।

प्रश्न 6. बाबू रामनारायण सिंह किससे प्रभवित होकर समाज–सेवा में आए?

उत्तर : बाबू रामनारायण सिंह डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद से प्रभावित होकर समाज सेवा में आए।

भाषा–संदर्भ

प्रश्न 1. बाबू रामनारायण सिंह न केवल स्वतंत्रता बल्कि सामाजिक सुधारों के प्रति भी सचेत रहते थे। उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित शब्द सामाजिक मूल शब्द समाज में इक प्रत्यय जोड़ने से बना है– समाज+इक=सामाजिक मूल शब्द के साथ इक प्रत्यय लगाानें से शब्द के पहले वाले स्वर में इस प्रकार का परिवर्तन होता है–

अ, आ=आ   इ, ई=ऐ   ऐ, उ, ऊ, ओ=औ

उदाहरण के तौर पर निम्नलिखित शब्द को देखिए–

आघ्यात्मिक = आध्यात्म + इक

वैज्ञानिक = विज्ञान + इक

औद्यगिक = उद्योग + इक

लौकिक = लोक + इक

निम्नलिखित भाब्दों में 'इक' प्रत्यय लगााकर नए भाब्द बनाइए–

दिन, इतिहास, नीति, सप्ताह, भूगोल

उत्तर

दिन	दैनिक
इतिहास	ऐतिहासिक
नीति	नैतिक

© JCERT not to be republished

सप्ताह साप्ताहिक

भूगोल भौगोलिक

प्रश्न 2. पाठ में मृत्यु का भाव प्रकट करने के लिए आँखें मूँद लेना मुहावरे का प्रयोग हुआ है। मृत्यु का भाव प्रकट करने वाले अन्य मुहावरों को ढूँढिए एवं उनका वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए।

उत्तर–

- आँखें मुँदना–कोराना महामारी में अनेक परिवार के जवान बच्चों ने आँखें मुँद ली।
- काल के गााल मे समाना–उड़ीसा के चक्रवात में सैकड़ों लोग असमय काल के गाल में समा गये।
- खेत आना– कितने ही नागरिक रूस युक्रेन युद्ध में खेत आए।
- अंतिम साँस लेना–जवान ने धरती माँ की गोद में अपनी अंतिम साँसे ली।

गद्यांश के प्रश्नोत्तर

1. सन 1946 ई॰ में
2. आदिवासी हितों
3. संविधान सभा में
4. नया अध्याय से तात्पर्य स्वतंत्र भारत के संविधान से है।
5. प्रजातंत्र एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है जिसमे समानता का विचार और व्यवहार प्रकल हो।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर

6. रामनारायण बाबू स्वतंत्रता–आंदोलन में इतने सक्रीय रहे कि इन्हें आठ बार जेल जाना पड़ा जहाँ इनके जीवन के दस से अधिक वर्ष व्यतीत हो गए। सत्याग्रह आंदोलन (1920 ई॰) से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्ष (1947 ई॰) तक देष की आजादी ही उनका प्रमुख ध्येय रहा।
7. रामनारायण बाबू की व्यक्तिगत विशेषता थी कि वे अपनी बातों को कहीं भी बड़े निर्भीक एवं दमदार तरीके से रखते थे। उनके वक्तव्यों से प्रभावित होकर लोग उनके समर्थक बन जाते थे। यही कारण था कि जेल में भी अंग्रेज सरकार की उनपर कड़ी नजर रहती थी।

© JCERT not to be republished

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

6. ग. खूँटी
7. ख. 1938 ई॰
8. ग. मरांग गोमके
9. क. राँची
10. ग. 1946 ई॰
11. घ. चतरा
12. ग. किसान
13. ग. बाबू रामनारायण सिंह
14. ग. देश की आजादी
15. क. 24 जून 1964 ई॰

© JCERT not to be republished